अमर उजाला
बरेली
मंगलवार, 23 मई 2017
amarujala.com

PAGE NO. 6 : MIDDLE

एसआरएमएस ने लौटाई मूक बधिर बच्चों की आवाज

दो बच्चों की कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी की गई नि:शुल्क

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली।

जन्म से या फिर किसी दुर्घटना और बीमारी के बाद सुनने और बोलने की क्षमता खो चुके बच्चों के लिए कोक्लियर इम्प्लांट सर्जरी बरेली में वरदान साबित हो रही है। एसआरएमएस मेडिकल इंस्टीट्यूट की ओर से 20 मई को दो गरीब बच्चों का ईएनटी विभाग द्वारा कोक्लियर इंप्लांट किया गया। सर्जरी पूरी तरह निशुल्क की गई। इससे पहले भी दो बच्चों की निशुल्क सर्जरी इंस्टीट्यूट द्वारा हो चुकी है।

इंस्टीट्यूट के चेयरमैन देवमूर्ति ने बताया कि एसआरएमएस ट्रस्ट हर साल दो बच्चों की इम्पलांट सर्जरी करा रहा है। यह इतना महंगा है कि इसकी सर्जरी का लाभ मरीज नहीं उठा पाते हैं। इसलिए ट्रस्ट सर्जरी निशुल्क कर रहा है केवल इंप्लांट का खर्च अभिभावक वहन करते हैं। दोनों सर्जरी का खर्च करीब 15 लाख रुपये एसआरएमएस ट्रस्ट के द्वारा किया जाता है। इससे बच्चों की सुनने व बोलने की क्षमता फिर से विकसित होती है। प्रशासनिक निदेशक आदित्य मूर्ति ने बताया कि ईएनटी विभाग के अध्यक्ष डॉ. रोहित शर्मा के नेतृत्व में यह काम हो रहा है। इससे पश्चिमी यूपी व कुमायूं मंडल के मरीजों को लाभ मिल सकेगा। सर्जरी कोई भी पीड़ित पूरे साल कभी भी करवा सकता है। डॉ. रोहित शर्मा ने बताया यह सर्जरी दो प्रकार के मरीजों में होती है। जो जन्म से मूकबधिर हो व दूसरे वे जो बाद में दुर्घटना से सुनने व बोलने की शक्ति खत्म खो चुके हो। जन्म से मूकबधिर बच्चे 3 वर्ष की आयु तक सर्जरी करवा लें। सर्जरी में पीजीआई चंडीगढ़ के ईएनटी विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक गुप्ता, डॉ. विनीत शर्मा, डॉ. आशीष मेहरोत्रा, डॉ. जफर इकबाल शामिल हैं। सर्जरी के एक बाद बाद इंप्लांट यूनिट को चालू करके कुछ महीनों में इनकी स्पीच ट्रेनिंग होगी। फिर से बोल व सुन सकेंगे।